SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

रायपुर संभाग ग्रामीण एवं शहरी में महतारी वंदन योजना का आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र का तुलनात्मक अध्ययन

पोषण साहू, वाणिज्य विभाग
दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Author
पोषण साहू
E-mail : poshansahu487@gmail.com

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 10/11/2025
Revised on : 11/01/2026
Accepted on : 20/01/2026
Overall Similarity : 00% on 12/01/2026

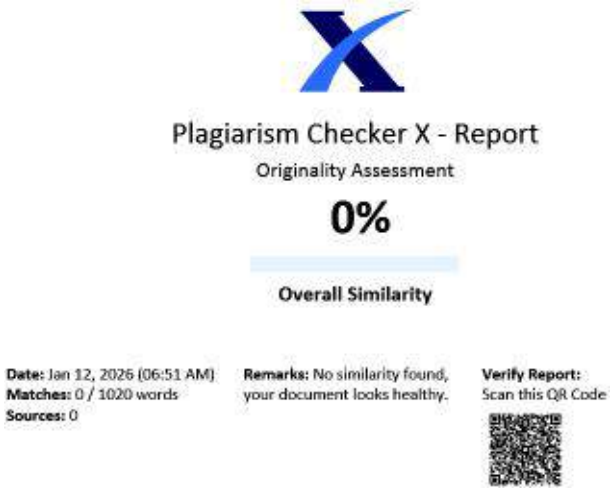

शोध सार

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है। प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य रायपुर संभाग के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में इस योजना के क्रियान्वयन प्रभाव एवं लाभों का तुलनात्मक अध्ययन करना है। रायपुर संभाग मे कुल पाँच जिले है जिनमे रायपुर, धमतरी, बलोदा बाजार –भाटापरा, महासमुंद और गरियाबंद जिला हैं। इस अध्ययन में यह विश्लेषण किया गया है, कि किस प्रकार सामाजिक एवं आर्थिक भिन्नताओं के कारण योजना का प्रभाव ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं पर अलग – अलग रूप में परिलक्षित होता हैं, शोध से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना का सामाजिक प्रभाव अधिक व्यापक है, जबकि शहरी क्षेत्रों में आर्थिक एवं बैंकिंग जागरूकता अधिक पाई गई हैं। वही अर्थव्यवथा पर खर्च का बोझ बढ़ा है जो आर्थिक विकास मे बाधा हैं।

मुख्य शब्द

महतारी वंदन योजना, ग्रामीण–शहरी तुलना, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सुरक्षा, रायपुर संभाग, आर्थिक विकास.

प्रस्तावना

भारत में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बीच सामाजिक–आर्थिक असमानताएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। इस योजना को छत्तीसगढ़ चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी द्वारा अपने चुनाव घोषणा पत्र में सम्मिलित किया गया और चुनाव जीतने के बाद 1 मार्च 2024 से लागू किया गया इस योजना के तहत 1000 रुपये मासिक देना निर्धारित किया गया है। योजना के अंतर्गत पात्रता

निर्धारण में 21 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिला जो विवाहित हो ,तलकशुदा हो, विधवा हो, या परित्यक्ता हो मे से को भी एक हो सकती हैं। वर्तमान मे इस योजना के अंतर्गत लगभग 65 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ प्राप्त हो रहा हैं। पहली किश्त में 655 करोड़ रुपये की राशि का वितरण किया गया था तथा दिसम्बर 2025 तक 13,671,68 की कुल राशि का भुगतान हो चुका है। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बहुल राज्य है, यहाँ की अधिकतर महिलाओं की आर्थिक स्थिति इन असमानताओं से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होती हैं।

महतारी वंदन योजना का उद्देश्य महिलाओं को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

रायपुर संभाग जो छत्तीसगढ़ राज्य में जनसंख्या के आधार पर सबसे बड़ा संभाग है और शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र दोनों को समाहित करता है इस अध्ययन के लिए उपयुक्त क्षेत्र है।

छत्तीसगढ़ राज्य की बड़ी जनसंख्या अशिक्षित और पिछड़े वर्ग से है जिस कारण छत्तीसगढ़ राज्य मे अभी भी बहुत अधिक संख्या में कम उम्र की बालिकाओं का विवाह, अर्थात् 18 वर्ष से अधिक किन्तु 21 वर्ष से कम की आयु मे हो जाती है जिसक कारण बहुत–सी विवाहित महिलाओं को इस योजना का लाभ नहीं मिल पाता है।

शहरी क्षेत्र में योजना का प्रभावः महतारी वंदन योजना का शहरी क्षेत्र में सकारात्मक आर्थिक प्रभाव पड़ा है। घरेलू जरूरत एवं बच्चों की शिक्षा में भागीदारी बढ़ी है, इसका मुख्य कारण बैंकिंग एवं डिजिटल सुविधाओं तक बेहतर पहुंच हैं जागरूकता का स्तर अपेक्षाकृत अधिक होने से योजना का सामाजिक प्रभाव सीमित, परंतु आर्थिक प्रभाव स्थिर रहा है।

ग्रामीण क्षेत्र में योजना का प्रभावः महतारी वंदन योजना से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं का परिवार एवं समाज में आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता बड़ी है, और दूसरों पर निर्भरता कम हुई है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत हुई है, और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है। बैंकिंग सिस्टम एवं डिजिटल साक्षरता की सीमित रहा है।

शोध साहित्य की समीक्षा

महिला कल्याण योजनाओं पर किए गए पूर्व अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण आधारित योजनाएँ महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देती हैं। हालांकि, महतारी वंदन योजना पर विशेष रूप से ग्रामीण–शहरी तुलनात्मक अध्ययन सीमित हैं। यह शोध इस शोध–अंतर को भरने का प्रयास करता है।

उद्देश्य

- ग्रामीण क्षेत्र में महतारी वंदन योजना के प्रभाव का अध्ययन करना।
- शहरी क्षेत्र में योजना के क्रियान्वयन का विश्लेषण करना।
- ग्रामीण एवं शहरी महिलाओं पर योजना के सामाजिक आर्थिक प्रभावों की तुलना करना।
- योजना से संबंधित समस्याओं एवं संभावनाओं का मूल्यांकन करना।

शोध पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक शोध पद्धति पर आधारित है ।

प्रस्तुत अध्ययन द्वितीयक आंकड़ों पर निर्भर हैं आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है।

अध्ययन क्षेत्रः रायपुर संभाग ग्रामीण एवं रायपुर शहरी। 1 मार्च 2024 से दिसम्बर 2025 तक आर्थिक और सामाजिक तुलनात्मक अध्ययन है।

प्रमुख समस्याएं

ग्रामीण संभागः छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा संभाग होने के बाद भी रायपुर संभाग के ग्रामीण क्षेत्रों में अभी तक डिजिटल साक्षरता की कमी दिखाई पड़ती है।

शहरी संभाग: शहरी क्षेत्र में महतारी वंदन योजना की राशि को अतिरिक्त आय की तरह देखा जाना एक मुख्य समस्या है, इस कारण मितव्ययिता बढ़ी है।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों का तुलनात्मक विश्लेषण

आधार	ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्र
योजना पर निर्भरता	अधिक	अपेक्षाकृत कम
आर्थिक प्रभाव	अत्यधिक सकारात्मक	मध्यम
सामाजिक परिवर्तन	स्पष्ट एवं व्यापक	सीमित
जागरूकता स्तर	कम	अधिक
बैंकिंग सुविधा	सीमित	बेहतर

सुझाव

ग्रामीण संभाग: ग्रामीण महिलाओं में बैंकिंग और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम चलाया जाना चाहिए ।

शहरी संभाग: शहरी महिलाओं में योजना का दीर्घकालिक लाभ पर जागरूकता और योजनाओं की नियमित मूल्यांकन हेतु जिला स्तरीय निगरानी करनी चाहिए।

निष्कर्ष

अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि महतारी वंदन योजना का रायपुर संभाग के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्र में महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार लाने में सहायक रही है।

हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में इसका सामाजिक प्रभाव अधिक गहरा है जबकि शहरी क्षेत्र में इसका आर्थिक प्रभाव अधिक व्यापक रूप से दिखाई देता है।

समुचित सुधारो के साथ यह योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में और अधिक प्रभावी सिध्द हो सकती है किन्तु इस योजना का छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवथा पर बड़ा भार पड़ता दिखाई दे रहा जो कि आर्थिक दृष्टि से कदाचित उचित नहीं है। प्रत्यक्ष रूप से यह योजना आर्थिक विकास के लिए एक बाधा बनीं है।

संदर्भ सूची

1. https://mahtarivandan.cgstate.gov.in, Accessed on 06/09/2025.
2. https://dprcg.gov.in, Accessed on 09/09/2025.
3. https://www.angelone.in, Accessed on 14/09/2025.
4. https://www.jagran.com, Accessed on 18/09/2025.
5. Motwani, Ayush; Shrivas, Kriti (2025) Mahatari Vandana Yojna and women's decision-making power: A socio-economic study of the bastar region, *Asian Journal of Management and Commerce*, 6(1): 522-528

****